THE SCIENCE WORLD
A Monthly e Magazine
ISSN:2583-2212
Jan, 2025 Vol.5(1), 6113-6115

Popular Article

अमृता शेरगिल भारतीय आधुनिक कला की अग्रणी

सौरभ श्रीवास्तव
कनिष्ठ संकाय, एफ डी डी आई नोएडा
DOI:10.5281/ScienceWorld.14773033

भारत कला एवं साहित्य का ख़जाना हैं , भारत के कलाकारो एवं साहित्यकारो ने भारत की भारतीय संस्कृति एवं कला को पूरे विश्व में प्रकाशित किया है। इनमे से एक प्रमुख कलाकार के रूप में अमृता शेरगिल का नाम आता है। अमृता शेरगिल हंगरी में जन्मी भारतीय कलाकार है। इन्हे भारतीय आधुनिक कला का अग्रणी माना जाता है। भारत में महिला के जीवन एवं उनके कई रूपो को प्रदर्शित किया अपने चित्रो के माध्यम से वो देश–विदेश दोनों जगह पर छाई रही । हंगरी से वापस आकर भारत में अंत तक कार्य करती रही एवं 28 वर्ष की छोटी सी उम्र में निधन हो गया ।

भारत में आने से पूर्व बचपन में ही 8 वर्ष की उम्र में वादयंत्र वोयलीन एवं पियानो सीखा ,साथ ही कलाकृति बनाना शुरू कर दिया । शुरुवात में सांता अनुंजीयता आर्ट स्कूल में दाखिला लिया एवं ल्यूसियन सायमन केडबल्यू मार्गदर्शन में अभ्यास किया । महिला की दुर्दशा उनके चित्रण का प्रमुख आकर्षण रहे जो भारत एवं विदेशो में बड़े पैमाने पर महिला के प्रकाश स्तम्भ का कार्य करते रहे।

भारत सरकार ने उनके कार्य को राष्ट्रिय कला घोषित किया और उनके कृति को भारत से बाहर न भेजने एवं बेचने के लिये भी रोक लगाया जिससे उनकी कला भारत में ही रह सके ।

- उनकी 10 से भी कम कलाकृति विदेश में है ।
- कलाकार के रूप में उन्होने जो कार्य किए उसमे भारतीय परंपरा को प्रदर्शित किया,
- शेरगिल की एक मात्र आयोजित होने वाली प्रदर्शनी जो की लाहोर में होनी थी उसके पूर्व ही उनकी मृत्यु होने के कारण नहीं हो सकी ।
- उनके कलाकृति का संग्रह भारत में दिल्ली के राष्ट्रिय आधुनिक कला संग्रहालय एवं लाहोर संग्रहालय में संग्रहीत है ।

कला के क्षेत्र में सर्व प्रसिद्धि उनकी 2006 में नीलाम हुई पेंटिंग "ग्रामीण दृश्य" से पता चलता है ,जो 6.9करोण में नीलाम हुई थी ,और उस समय में

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 29/01/2025

सबसे महंगी कलाकृति भी थी । इसके साथ ही उनकी अन्य कृति 2018 में मुंबई सोथबी के नीलामी में "द लिटल गर्ल इन ब्लू" जो की 18.69 करोण में नीलाम हुई से पता चलता है । जो चित्र उनके चचेरे भाई के 5वर्ष के उम्र की पेंटिंग है। 1934 तैल माध्यम में बनी पेंटिंग है।

अमृता को कई अन्य कलाकार ,नाट्यलेखक, उपन्यास लेखको ने अपने विषय में सम्मिलित किया । 1993 में उर्दू नाटक तुम्हारी अमृता की प्रेरणा बनी।

अमृता चौधरी की समकालीन भारतीय उपन्यास फेकिंग ईट में शेरगिल का कार्य प्रमुख विषय है।
शेरगिल ने न सिर्फ भारत में कला को आगे बढ़ाया बल्कि भारत में भारतीय आधुनिक कला को उसके उच्च सीमा तक पहुचाने का कार्य भी किया आधुनिक समय में नारी की दसा को प्रस्तुत किया एवं भारतीय कला को विदेश तक स्थापित किया ।

उनके इन कार्यो की वजह से उन्हे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने उनकी कलाकृति को भारत के सर्वश्रेष्ठ 9 कलाकारो में उनकी कृति को भी चयनित किया। साथ ही बाद में उनकी कलाकृति "हिल वुमेन" को भारतीय डाक ने अपने डाक टिकट पर 1978 में जारी किया। अमृता इसके साथ ही 2013 में उनकी 100वी वर्षगाठ के लिए युनेस्को ने अमृता शेरगिल वर्ष घोषित किया ।

अमृता शेरगिल भारत की फ्रीडा काहलों के रूप में भी विख्यात हुई और 2018 में न्यू यार्क टाइम्स नें उनके लिए एक वेलटेड ओब्टिटीयूज़ प्रकाशित किया था ।

अमृता शेरगिल की प्रमुख कलाकृति के रूप में आत्मचित्र 1930, आत्मचित्र 1931, कालरा सूजेसी 1932 , हंगरियन जिप्सी गर्ल 1932, तीन लड़कियों का समूह 1935, वधू का शौचालय1937, ग्रामीण दृश्य1938 है ।

28 वर्ष के छोटी उम्र कला के लिए इतना योगदान एवं भारतीय कला को आधुनिक युग में रखना ये सब अमृता शेरगिल की कला नीपूर्णता को दर्शाता है।

वधू का शौचालय1937

ग्रामीण दृश्य1938

तीन लड़कियो का समूह1935

हंगरियन जिप्सी गर्ल1932

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 29/01/2025

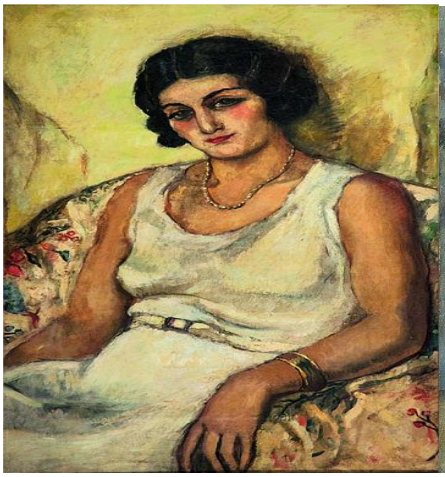
कालरा सूजेसी1932

आत्मचित्र1931

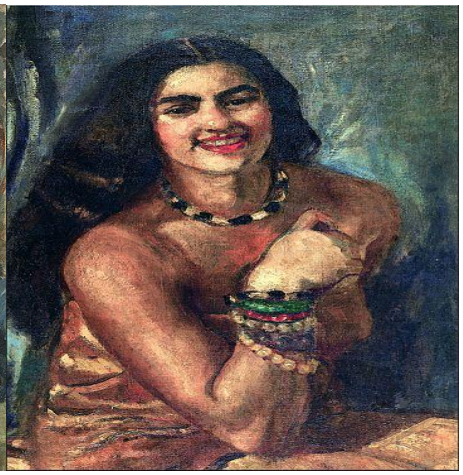
आत्मचित्र1930

https://rooftopapp.com/blogs/the-artistic-legacy-of-amrita-sher-gil
https://samsshopping.com/product/modern-india-paintings-amrita-shergil-painting-hill-women-rs-2-mnh/
https://en.wikipedia.org/wiki/The_Little_Girl_in_Blue#/media/File:The_Little_Girl_in_Blue_by_Amrita_Sher-Gil.jpg
https://www.google.com/search?q=amrita+shergill+in+hindi&rlz=1C1GCEU_enIN1130IN1130&oq=&gs_lcrp=EgZjaHJvbWUqCQgDECMYJxjqAjIJCAAQIxgnGOoCMgkIARAjGCcY6gIyCQgCECMYJxjqAjIJCAMQIxgnGOoCMgkIBBAjGCcY6gIyCQgFECMYJxjqAjIJCAYQIxgnGOoCMgkIBxAjGCcY6gLSAQoxODYwOTFqMGo3qAIIsAIB&sourceid=chrome&ie=UTF-8

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 29/01/2025